" रूपरेखा "

पृष्ठ

प्रथम अध्याय :- प्रेमचन्दोत्तर हिन्दी उपन्यास 1-33

अ) परिचय ।
आ) विभिन्न प्रयोग ।
इ) लेखक का योगदान ।

द्वितीय अध्याय :- लेखक का व्यक्तित्व एवं कृतित्व 34-61

अ) श्री अमृतलाल नागर जी की संक्षिप्त जीवनी ।
आ) श्री अमृतलाल नागर जी का कृतित्व ।

तृतीय अध्याय :- कथावस्तु विश्लेषण 62-104

अ) 'खंजन नयन' का कथासार ।
आ) कथावस्तु की समीक्षा ।

चतुर्थ अध्याय :- पात्र विश्लेषण 105-136

अ) नागर जी के चरित्र - चित्रण की विशेषताएँ ।
आ) खंजन नयन' के प्रमुख पुरुष पात्रों का चरित्र चित्रण ।
इ) प्रमुख नारी पात्रों का चरित्र चित्रण ।
ई) नायक तथा नायिका विवेचन ।

		पृष्ठ
पंचम अध्याय :-	कलागत विशेषताएँ	137-158
	अ) भाषा शैली ।	
	आ) कथोपकथन की समीक्षा ।	
षष्ठ अध्याय :-	परिस्थिति एवं वातावरण चित्रण	159-171
	अ) नाम की सार्थकता ।	
	आ) देशकाल और वातावरण चित्रण ।	
	इ) उद्देश्य ।	
सप्तम अध्याय :-		172-177
	अ) उपसंहार ।	
	आ) परिशिष्ट ।	
	1- सहायक ग्रन्थ सूची ।	
	2- पत्र पत्रिकाओं की सूची ।	